



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 52]

नई दिल्ली, शनिवार, विसम्बर 26, 1987/पौष 5, 1909

No. 52] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 26, 1987/PAUSA 5, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)
केन्द्रीय अधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम,
जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं।

General Statutory Rules including Orders, Bye-laws etc. of a general character issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर, 1987

आदेश

का० आ० 954:—केन्द्रीय सरकार की राय है कि कतिपय औद्योगिक या अन्य स्थापनाओं, कार्मियों, बैंकों और फर्मों को आयुध अधिनियम, 1959 (1959 का 54) के कतिपय उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देना लोकहित में आवश्यक और समीचीन है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 41 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, किसी कम्पनी, फर्म, बैंक या औद्योगिक या अन्य स्थापन की (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् स्थापना कहा गया है) सम्पत्ति और कार्मियों की सुरक्षा के लिए अपेक्षित अग्नयायुधों को, उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (2) के उपबन्धों के प्रवर्तन से निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती है, वर्णतः—

(i) अनुशासन प्राधिकारी स्थापना के आकार, प्रकृति

और अवस्थान और अन्य ऐसे घटकों को, जिन्हें ऐसा अनुशासन प्राधिकारी सुसंगत समझे; हिसाब में लेने के पश्चात् तथा स्थापना के विचारों पर विचार करने के पश्चात् ऐसे अग्नयायुधों की संख्या अवधारित करेगा जिसे ऐसे स्थापना द्वारा अंजित या अधिकृत किया जा सकेगा;

(ii) ऐसे स्थापन की सुरक्षा के भारसाधक व्यक्ति के पक्ष में या जहाँ ऐसे कृत्यकारी नहीं हैं, वहाँ ऐसे स्थापन के प्रबन्ध के भारसाधक व्यक्ति के पक्ष में उसके पदनाम से ऐसे प्रत्येक अग्नयायुध के लिए अनुशासन प्राधिकारी से अनुज्ञाप्ति प्राप्त की जाएगी;

(iii) ऐसे अवधारण और अनुज्ञाप्तियों के जारी किए जाने पर प्रत्येक ऐसा स्थापन जिसके कब्जे में अग्नयायुध की संख्या अनुज्ञाप्ति द्वारा स्वीकृत संख्या से अधिक है, तुरन्त अधिक अग्नयायुध को आयुध नियम, 1962 के नियम 46 के साथ पठित उक्त

नई दिल्ली, 7 दिसंबर, 1987

रा. का. नि. १४४—२०८३पति, संविवाख के अनुकूल उपर्युक्त उद्दारा प्रवेश शिक्षियों का प्रयोग करते हुए सूचना और प्रसारण मंशालय के प्रशील एकांशकाणी में कम्प्यूटर आपरेटर के पद पर ईस्ट फ़िल्ड पट्टिका विभिन्न मानक करने के लिए मिल्लिलिंग्स नियम इनाम हैं। प्रधार्य :—

१. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (१) इन नियमों का संक्षिप्त नाम घाकाशयांशी (कम्प्यूटर घावरेटर) भर्ती नियम, १८५७ है।
(२) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रदूषित होती।

३. पवर राक्षस, लक्ष्मीकरण और येस्तमाग : उक्त पद की सद्या उसका धर्मांकरण और उसका वेस्तमाग बह होगा और इन विषयों के उत्तर २ से ४ में विवरित हैं।

3. रक्ती की पद्धति, प्रायु सीमा, अहसास आदि : उसके पद पर रक्ती की पद्धति, प्रायु सीमा अहसास और उससे संबंधित भ्रम दाने वे होते हैं जो उच्च अनुसृति के स्तरम् 5 से स्तरम् 14 में विविधिए हैं।

4. मिरहेला : बहु व्यक्ति-

- (क) जिसने ऐसे अवक्षित से जिसका पहला या जिसकी पहली झीवित है, विवाह किया है, या
 (ख) जिसने अपने पहला या अपनी पहली के झीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केवल य सरकार यह अमान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के प्रथम पक्षकार को सामूहिक विवाह के अवशेष अनुसृत और ऐसा करने के लिए इन्हीं भाग्यहार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस विवाह के प्रबलता से छुट दे सकती है।

5. शिधिल करने की शक्ति : अहों केन्द्रीय सरकार की यह गाव है कि ऐसा करना आवश्यक या समोचीत है, अहों वह, उसके लिए जो कारण है उग्हे शैखबद्ध करके इन नियमों के किसी उद्घाटन को फिसी बर्ग या प्रश्न के व्यक्तियों की बाबत, भावेवद्वारा शिधिल कर सकते ।

६. श्वासृति : इस नियमों की कोई बात, ऐसे प्रारक्षणों, आपु-नीमा में सूट और अन्य रियावतों पर प्रभाव नहीं दालेती, जिसका केवल सरकार द्वारा इस संघर्ष में सभी सभी पर निकासे गए ग्रामों के ग्रामांश शनुसूचित जातियों, शनुसूचित जातियों, भूतपूर्व मैमिकों और अन्य विशेष प्रकार के व्यक्तियों के लिए उपर्युक्त है।

प्रति सुखी

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	ज्यन पद प्रवदा प्रबन्धन पद	सेवा में बोडे गए वयों का फायदा, केंद्रीय सिविल सेवा (वेशन) लियर, 1972 के नियम 30 के अनुसार प्रभन्देय है या नहीं	सीधे मर्टी किए जाने वाले
1	2	3	4	5	6	7
कंप्यूटर आपरेटर *4 (1987)	साधारण केन्द्रीय सेवा	1200-30-1560	सार्व नहीं होता	सार्व नहीं होता	सार्व नहीं होता	
*कार्यभार के द्वासार पर परिवर्तन में किया जा सकता है।	समृद्ध "ग" भ्राजपलित परिवर्तन में किया जा सकता है।	व.रो.-40- भ्रन्दु सचिवीय 2040 स्पष्ट				

सीधी रूटों किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए ऐकाइ और प्रथ्य अहंताएँ सीधे रूटों किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित प्राप्ति और ऐकाइ अहंताएँ प्रोभत व्यक्तियों की दशा में परिवेश की प्रवक्षि मदि कोई हो

8	9	10
लाग मही होता	लाय मही होता	लाग नहीं होता

महीने की पद्धति इसी सीधे होगी या प्रोमासि हारा या प्रहिनियुक्ति
स्थानान्तरण हारा तथा विभिन्न पद्धतियों हारा भरी जाने वाली रिकियर्स
की प्रक्रिया।

प्रोस्तुति प्रतिनियुक्ति स्थानास्थरण द्वारा इसी की दशा में बे खेणिया जिनसे प्रोस्तुति प्रतिनियुक्ति स्थानास्थरण किया जाएगा।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानापत्रण :
 (क) केंद्रीय सरकार के भवीन ऐसे अधिकारी /
 (i) जो सदृश पद धारण करते हैं; या
 (ii) दिनांक 930-1500 वर्ष के बहनमान वाले या समसूच
 पर्याप्त प्राप्त वाई नियमित सेवा की है; और

11

12

(ख) जिनके पास डाटा एंट्री/प्राप्ति/सेस/घटन/बहु संग्रहण/डाटा संशोधन डाटा की डिटेक्टर के कम्प्यूटर कार्यक्रम बनाने में दो वर्ष का अनुमति है।

(प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अंतर्वेत कम्बीय सरकार के उसी दो किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से शेष पहले छार्टिंग किमी अन्य वाहन वाहन पद पर पर्विन्युक्ति की प्रवधि है साधारण तथा आर वर्क से अधिक नहीं होती।)

यदि विषयीय प्रोन्तर समिति है तो उसकी संचालना

ती फलने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

13

14

लागू नहीं होता

लागू नहीं होता।

[स. ए.-12011/2/87-दी (८)]
कार्यालय लाल, भवर सचिव

New Delhi, the 7th December, 1987

G.S.R. 988.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Computer Operator in the All India Radio under the Ministry of Information and Broadcasting, namely :—

1. Short title and commencement.—(i) These rules may be called the All India Radio (Computer Operator) Recruitment Rules, 1987.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the posts, its classification and scale of pay attached thereto shall be as specified in the columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

SCHEDULE

Name of post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7	9
Computer Operator.	4*(1987)	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted, Non-Ministerial	Rs. 1200-30-1550-E.B-40-2040	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable

*Subject to variation dependent on work load.

Whether age and educational qualification is prescribed for direct recruitment will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made and percentage of the Vacancies to be filled by various methods.	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commissions is to be consulted in making recruitment
9	10	11	12	13	14
Not applicable	Not applicable	Transfer on deputation	<p>Transfer on deputation :</p> <p>(a) Officers under the Central Government:—</p> <ul style="list-style-type: none"> (i) holding analogous posts; or (ii) with eight years regular service in the posts in the pay scale of Rs. 950-1500 or equivalent; and <p>(b) possessing two years experience in computer programming of data entry/word processing/multi processing/data collection/data feeding.</p> <p>(Period of reputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or other organisation/department of the Central Government shall not exceed 4 years).</p>	Not applicable	Not applicable

[N o. A- 2011/2/87-DS/AIR/B(A)
KASHMIRI LAL, Under Secy.

महाराष्ट्र विकास विभाग

नई दिल्ली, 7 दिसंबर, 1987

स. का. नि. 989— राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु ह द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए महाराष्ट्र विकास विभाग में सकलीकी अधिकारी के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम महाराष्ट्र विकास विभाग (सकलीकी अधिकारी) भर्तीनियम 1987 है।
(2) ये राजस्व में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संबंधी कार्यक्रम और वेतनमान : उक्त पद की संबंधी, उपरा वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा, जो इन नियमों से उपर्युक्त अनुसूची के स्तरम् (2) से स्तरम् (4) में विनियोगित है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अन्य अहेतुएं अदिः—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा अहेतुएं और उसमें संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तरम् (5) से स्तरम् (13) में विनियोगित हैं।

4. नियंत्रण : वह अवित—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसकी पत्ती या जिसकी पत्ती जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पत्ती या अपनी पत्ती के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्त का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का वह समाधान हो जाता है कि ऐसे विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पश्चात् को लाग स्वीय विधि के अधीन अनुच्छेद है और ऐसा करने के लिए अन्य अधिकार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छुट दे सकेगी।

5. शिखित करने की शक्ति—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसे करने का विधिक था समीक्षीय है, वही वह उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखदाता करके सथा संघ लोक सेवा अधिकारी से परामर्श करके इन नियमों के निमि उत्तरां हो करी वर्ण के अधिकारी की बाबत अदेश द्वारा शिखित कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति—इन नियमों की कोई बात ऐसे अधिकारी, अयु सीमा में छुट और अन्य विधियों पर प्रभाव नहीं डलेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय समय पद विकल्प गण शादियों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूची जनजातियों, जूलूँझी सौनेहों और अस्तविशेष प्रवर्षी के वर्करों के लिए उपबंध करना अनिवार्य है।